A–0193

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–609

M.A. Sanskrit (MASL)

(नाटक एवं नाटिका भाग-02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए–

(क) भाग्यानि मे यदि तदा मम कोऽपराधो
यद्वन्यनाग एव संयमितोऽस्मि तेन।
देवी च सिद्धिरपि लङ्घयितं न शक्या
गम्यों नृपो बलवता सह को विरोधः॥

(ख) राज्यं निर्जितशत्रु योग्यसचिवे न्यस्तः समस्तो भरः
सम्यक्पालनलालिताः प्रशमिताशेषोपसर्गाः प्रजाः।
प्रद्योतस्य सुता वसन्तसमयस्त्वं चेति नाम्ना धृतिं
कामः काममुपैत्वयं मम पुनर्मन्ये महानुत्सवः॥

(ग) कस्तं गुणारबिन्दं शीलमृगाङ्कं जनो न जानाति?
आपन्नदुःखमोक्षं चतुः सागरसारं रत्नम्॥

2. विदूषक यौगन्धरायण की भूमिका और उनके राजनीतिक विचारों का विवेचन कीजिए।

3. 'रत्नावली' नाटिका प्रथम अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

4. 'मृच्छकटिकम्' प्रकरण के अनुसार वसन्तसेना एवं चारूदत्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. 'मृच्छकटिकम्' प्रकरण के षष्ठ अंक की घटनाओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'रत्नावली' नाटिका के अनुसार वासवदत्ता की भूमिका और उनके विचारों का वर्णन कीजिए।
2. 'मृच्छकटिकम्' प्रकरण के अनुसार तत्कालीन समाजिक तथा राजनीतिक घटनाओं का वर्णन कीजिए।
3. 'मृच्छकटिकम्' प्रकरण के प्रथम अंक की समीक्षा कीजिए।
4. आचार्य हर्षवर्धन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
5. 'मृच्छकटिकम्' प्रकरण के अनुसार चन्दनक का चरित्र–चित्रण कीजिए।
6. 'रत्नावली' नाटिका के द्वितीय अंक में राजा के प्रति सागरिका किस प्रकार अनुरक्त है इसका वर्णन कीजिए।
7. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार वीरक और आर्यक के व्यावहारिक सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।
8. 'रत्नावली' नाटिका के अनुसार वत्सराज उदयन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

****